शुगर प्राइस कम करने के लिए इंडस्ट्री की सेस हटाने की मांग

[जयश्री भोसले | पुणे]

शुगर इंडस्ट्री ने चीनी की महंगाई कम करने के लिए एक सुझाव दिया है। इंडस्ट्री ने सरकार से मांग की है कि वह शुगर पर लगने वाले सेस को वापस ले ले। अगर ऐसा होता है तो चीनी की कीमतें 1.24 रुपये प्रति किलो कम हो जाएंगी। चीनी की कीमतें होलसेल मार्केट में फिलहाल 40 रुपये प्रति किलो के आसपास चल रही हैं। शुगर की ऊंची कीमतों को देखते हुए सरकार में बेचैनी बढ़ गई है।

इस सेस का भुगतान शुगर मिलें करती हैं। मिलें सेस के बोझ को कंज्यूमर्स पर डाल देती हैं। यह सेस शुगर डिवेलपमेंट फंड (एसडीएफ) में जाता है। इस फंड का इस्तेमाल शुगर मिलों को फिर से खड़ा करने और इनके मॉडर्नाइजेशन में किया जाता है। सरकार को सेस के जरिए करीब 2,500 करोड़ रुपये मिले हैं।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के प्रेसिडेंट टी सरिता रेड्डी ने कहा, 'सरकार पहले से ही एसडीएफ और शुगर सेस को खत्म करने और इसे जीएसटी में मिलाने पर विचार कर रही है। हम सरकार से इन दोनों टैक्सों को तत्काल प्रभाव से खत्म करने की मांग करेंगे।'

हालांकि, खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि शुगर सेस के 31 मार्च से पहले खत्म होने की संभावना नहीं है। खाद्य मंत्रालय के एक अफसर ने बताया, 'सेस हटाने का फैसला फाइनेंस मिनिस्ट्री कर सकती है। फिलहाल ऐसा नहीं होने जा रहा है।'

ET टिप्पणी

सेस हटाएं

सेस हटाना सही फैसला साबित हो सकता है। चीनी की कीमतें बढ़ रही हैं। अब तक शुगर का प्रॉडक्शन काफी कम रहा है। ऐसे में कीमतें घटाने के लिए ज्यादा शुगर स्टॉक रिलीज करना होगा। एक बार शुगर प्रॉडक्शन की तस्वीर साफ हो जाए तो चीनी के इंपोर्ट पर भी विचार किया जा सकता है। कमोडिटी एक्सचेंजों पर शुगर फ्यूचर्स के अलावा शुगर ऑप्शंस लाने के बारे में भी सोचना चाहिए।

The Economic Times (Hindi)

26/1/17